भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3271
21 मार्च, 2023 को उत्तरार्थ

विषय: कृषि उत्पादों का विपणन

3271. डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक:

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा हिमालयी राज्यों में फलों, सब्जियों और प्रसंस्कृत उत्पादों के सफल विपणन के लिए कौन-कौन से विशेष प्रयास किए गए हैं;

(ख) सरकार द्वारा भंडारण और परिवहन पर कितनी राजसहायता प्रदान की जा रही है;

(ग) क्या सरकार किसानों के इन उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने के लिए प्रयास कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) एवं (ख): कृषि विपणन राज्य का विषय है और थोक मंडियों को संबंधित राज्य कृषि उपज मंडी समिति (एपीएमसी) अधिनियम के प्रावधानों के तहत गठित किया जाता है। तथापि, आपूर्ति श्रृंखला को कम करने, प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने और मूल्य श्रृंखला के विकास में निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित करने तथा शीघ्र खराब होने वाले बागवानी उत्पादों के विपणन अवसंरचना के लिए, विभाग हिमालयी राज्यों सहित सभी राज्यों के साथ मंडीयार्ड के बाहर इन शीघ्र खराब होने वाले उत्पादों के विपणन को नियंत्रण-मुक्त करने का प्रयास कर रहा है। इसके अनुसरण में, उत्तराखंड को छोड़कर सभी हिमालयी राज्यों ने ऐसा ही किया है।

वाणिज्य विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक सांविधिक निकाय, कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (अपेडा) ने हिमालयी राज्यों में फलों, सब्जियों और प्रसंस्कृत उत्पादों के विपणन के लिए कई पहलें की हैं। कुछ पहलें **अनुबंध-I** में दी गई हैं। इसके अलावा, 15वें वित्त आयोग चक्र (वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक) के लिए अपेडा की कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात संवर्धन योजना के तहत देश भर के विभिन्न राज्यों में पैक-हाउस, प्रोसेसिंग यूनिट, रीफर वैन आदि जैसी सामान्य अवसंरचना सुविधाओं की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

सरकार असम और राजस्थान सहित देश भर में, समेकित कृषि विपणन योजना (आईएसएएम) की एक उप-योजना, कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई) कार्यान्वित कर रही है। इस योजना के तहत, मैदानी क्षेत्रों के लिए 25% और पूर्वोत्तर क्षेत्र, पहाड़ी क्षेत्र के लिए 33.33% की दर पर भंडारण अवसंरचना सहित कृषि विपणन अवसंरचना परियोजनाओं के विकास के लिए सब्सिडी लाभार्थियों अर्थात किसान, व्यक्ति, किसान, किसानों/उत्पादकों के समूह, कृषि-उद्यमी, पंजीकृत किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), सहकारी समितियां और राज्य एजेंसियां आदि के लिए उपलब्ध है।

सरकार समेकित बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) भी कार्यान्वित कर रही है जिसके तहत फसलोपरांत प्रबंधन अवसंरचना सहित विभिन्न बागवानी गतिविधियों जैसे 5000 मीट्रिक टन तक की क्षमता वाले शीतागार का निर्माण/विस्तार/आधुनिकीकरण, 9एमटी के लिए प्रशीतित परिवहन वाहन की खरीद और कम क्षमता के लिए समानुपातिक आधार पर लेकिन 4एमटी से कम नहीं के लिए और हिमालयी राज्यों सहित देश में विपणन अवसंरचना जैसे थोक बाजार, ग्रामीण प्राथमिक बाजार, कार्यात्मक अवसंरचना आदि के निर्माण में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। ये घटक मांग/उद्यमी संचालित हैं जिसके लिए संबंधित राज्य बागवानी मिशनों के माध्यम से क्रेडिट लिंक्ड बैक एंडेड सब्सिडी के रूप में सरकारी सहायता उपलब्ध है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी) "बागवानी उत्पादों के लिए शीतागार और भंडारण के निर्माण/विस्तार/आधुनिकीकरण के लिए पूंजी निवेश सब्सिडी" नामक एक योजना कार्यान्वित कर रहा है। इस योजना के तहत, सामान्य क्षेत्रों में परियोजना की पूंजीगत लागत के 35% और शीतागार के निर्माण/विस्तार/आधुनिकीकरण के लिए पूर्वोत्तर, पहाड़ी और अनुसूचित क्षेत्रों के मामले में 50% की दर पर क्रेडिट लिंक्ड बैक-एंडेड सब्सिडी हैं तथा 5000 मीट्रिक टन से अधिक और 10000 मीट्रिक टन तक की क्षमता का नियंत्रित वातावरण (सीए) भंडारण उपलब्ध है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के मामले में, 1000 मीट्रिक टन से अधिक क्षमता वाली इकाइयां भी सहायता के लिए पात्र हैं।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी) के माध्यम से चयनित उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों के लिए बागवानी क्लस्टर विकास कार्यक्रम (एचसीडीपी) शुरू किया है। यह कार्यक्रम बागवानी समूहों की भौगोलिक विशेषज्ञता का लाभ उठाने और उत्पादन पूर्व, उत्पादन, फसलोपरांत, लाजिस्टिक, ब्रांडिंग और विपणन गतिविधियों के एकीकृत और बाजार आधारित विकास को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

बागवानी क्लस्टर विकास कार्यक्रम के शुभारंभ के लिए प्रारंभ में पायलट आधार पर 12 क्लस्टरों का चयन किया गया है। इन 12 क्लस्टरों का विवरण **अनुबंध-III** में दिया गया है।

इसके अलावा, सरकार 1,00,000 करोड़ रुपये के कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ) की वित्तपोषण सुविधा की एक केंद्रीय क्षेत्र योजना कार्यान्वित कर रही है जो ब्याज छूट और वित्तीय सहायता के माध्यम से वेयरहाउसिंग सुविधा और सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों सहित फसलोपरांत बाजार अवसंरचना के लिए व्यवहार्य परियोजनाओं में निवेश हेतु मध्यम-दीर्घावधि ऋण सुविधा प्रदान करती हैं।

रेल मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारतीय रेलवे द्वारा किसान रेल योजना शुरू की गई थी ताकि उत्पादन अधिशेष क्षेत्रों से उपभोग या कमी वाले क्षेत्रों में फल, सब्जियां, मांस, कुक्कुर, मत्स्य और डेयरी उत्पादों सहित शीघ्र खराब होने वाली जिंसों की तेज आवाजाही को सक्षम बनाया जा सके। किसान रेल के माध्यम से शीघ्र खराब होने वाली जिंसों के परिवहन के संबंध में रेल मंत्रालय द्वारा 45% सब्सिडी प्रदान की गई थी।

(ग) एवं (घ): फलों, सब्जियों और प्रसंस्कृत उत्पादों के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने के लिए अपेडा द्वारा की गई पहलें **अनुबंध-II** में दी गई हैं।

हिमालय क्षेत्र में अपेडा की पहलें

क. जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अपेडा द्वारा की गई पहलें

1. नए उत्पादों की तुलना में नए गंतव्यः

i. सितंबर, 2022 में संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात किए गए जम्मू-कश्मीर से बादाम तेल, अखरोट के तेल और खुबानी के तेल की पहली खेप की सुविधा
ii. सितंबर, 2022 के दौरान जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र से संयुक्त अरब अमीरात के लिए सूखे लैवेंडर की शिपमेंट की सुविधा
iii. 2021 में लद्दाख से दुबई के लिए 20 मीट्रिक टन ताजा खुबानी के पहले शिपमेंट निर्यात की सुविधा प्रदान की। 2022 में लद्दाख से सिंगापुर, मॉरीशस और वियतनाम को 35 मीट्रिक टन ताजा खुबानी का निर्यात
iv. जम्मू क्षेत्र से 3 टन मूल्य के 3 टन गुच्ची मशरूम के निर्यात को बढ़ावा दिया
v. जम्मू क्षेत्र से 30 मीट्रिक टन बासमती, गैर बासमती चावल के निर्यात को बढ़ावा दिया
vi. जम्मू क्षेत्र से 510 मीट्रिक टन अखरोट के निर्यात की सुविधा।

2. **क्रेता-विक्रेता बैठक/बाजार संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन**
दिनांक 14 जून, 2022 को लेह-लद्दाख में खुबानी पर आईबीएसएम (अंतर्राष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता बैठक)

3. **जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में क्षमता निर्माण कार्यक्रम**

i. **25** अक्तूबर, **2022** को लेह में निर्यातकों के लिए एफपीओ अभिसरण के लिए जागरूकता कार्यक्रम
ii. **13** और **15** मार्च, **2023** को लेह और कारगिल में डीजीएफटी के सहयोग से निर्यात जागरूकता कार्यशाला
iii. **14** मार्च, **2023** को बागवानी विभाग कारगिल के सहयोग से कारगिल में लद्दाख की उच्च मूल्य वाली फल फसलों का कैनोपी प्रबंधन
iv. **29** सितंबर, **2022** को बारामूला में एक निर्यातक के रूप में एफपीओ, एफपीओ के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम
v. **3** अक्तूबर, **2022** को अनंतनाग में निर्यात के लिए चावल की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु एफपीओ, एफपीसी और सहकारी समितियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम
vi. **17** अक्तूबर, **2022** को आरएस पुरा जम्मू में बासमती और गैर-बासमती चावल के संवर्धन के लिए जागरूकता कार्यक्रम
vii. एफपीओ के लिए जागरूकता कार्यक्रम - **1** नवंबर, **2022** को जम्मू में निर्यातकों के लिए अभिसरण

4. अपेडा द्वारा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से खाड़ी देशों, बांग्लादेश, सिंगापुर, मॉरीशस और वियतनाम में संवर्धित उत्पाद इस प्रकार हैं:

क) फल और इसके उत्पाद: चेरी, खुबानी, सेब, बादाम, अखरोट (साबुत/गिरी) सेब के चिप्स, अखरोट का तेल, बादाम का तेल, खुबानी का तेल,
ख) सब्जियां और इसके उत्पाद: मूली, कमल की जड़, ब्रोकोली, कश्मीरी लाल मिर्च, सफेद मूली लंबी, फूलगोभी, काले, शलजम, करमिरी अचार, लाल राजमा, लाल मिर्च पाउडर, सौंफ के बीज का पाउडर, पोनी फ्रेड बीन्स, गुच्छी (मोरेल) मशरूम, काली गाजर, लाल मिर्च पेस्ट
ग) कृषि उत्पाद: बासमती चावल, भूरे चावल, मुश्कबुदजी चावल, तलबीना जौ की खीर
घ) विशेष उत्पाद: खुबानी रक्सटेकर्पो जीआई टैग, केसर जीआई टैग/अनुकूलित केसर उत्पाद, बबूल शहद, मल्टीफ्लोरा शहद, जंगली वन शहद, सूखे लैवेंडर

5. अपेडा द्वारा समर्थित अवसंरचनाएं:
क) आयात करने वाले देश की आवश्यकताओं के अनुसार खाद्य उत्पादों के विश्लेषण के लिए खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला का उन्नयन: परियोजना प्रक्रियाधीन है जिसमें सुविधा के उन्नयन के लिए 4.55 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।
ख) फलों और सब्जियों को संभालने के लिए रेफर वैन की खरीद: रीफर ट्रक एक निजी उद्यमी को आवंटित किया गया है जिसमें अपेडा द्वारा 0.27 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

ख. पूर्वोत्तर क्षेत्र में अपेडा द्वारा की गई पहलें

अपेडा ने एनईआर से कुछ विशिष्ट उत्पादों के निर्यात के लिए विशेष पहल की है। कुछ पहलें इस प्रकार हैं:

1. नए उत्पादों के सापेक्ष में नए गंतव्य:

i. **त्रिपुरा से ब्रिटेन को कटहल की पहली निर्यात खेप**

अपेडा ने मई 2021 में त्रिपुरा से लंदन के लिए ताजा कटहल की पहली खेप की सुविधा प्रदान की है। कटहल को त्रिपुरा स्थित कृषि संयोग एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से प्राप्त किया गया और गुवाहाटी, असम में अपेडा द्वारा सहायता प्राप्त पैक-हाउस में पैक किया गया।

ii. **त्रिपुरा से जर्मनी को कटहल की पहली निर्यात खेप**

अपेडा ने जुलाई 2021 में त्रिपुरा से जर्मनी के लिए ताजा कटहल की पहली खेप की सुविधा प्रदान की है।

iii. **असम से संयुक्त अरब अमीरात के लिए बर्मी अंगूर की पहली खेप**

अपेडा ने असम के विटामिन सी और आयरन से भरपूर एक विदेशी फल लेटेकू (बर्मी अंगूर) की खेप भेजी है। इस खेप का निर्यात अपेडा पंजीकृत निर्यातक मैसर्स कीगा एक्जिम प्राइवेट लिमिटेड, असम द्वारा गुवाहाटी से दुबई के लिए किया गया था।

iv. **असम से यूएई के लिए टेंडर कटहल और हरी मिर्च की पहली खेप**

अपेडा ने मैसर्स फेयर एक्सपोर्ट्स इंडिया प्रा. लिमिटेड, मुंबई, लुलु ग्रुप इंटरनेशनल का एक प्रभाग के माध्यम से धुबरी जिले से दुबई तक 1.5 मीट्रिक टन टेंडर कटहल और 0.5 मीट्रिक टन हरी मिर्च की पहली खेप के निर्यात की सुविधा और आयोजन किया है। निर्यात से पहले, अपेडा ने निर्यात के लिए गुणवत्तापूर्ण सामग्री प्राप्त करने के लिए बैठकों की श्रृंखला और फील्ड निरीक्षण की सुविधा प्रदान की है।

v. **असम से ब्रिटेन के लिए तेजपुर लीची (जीआई) की पहली खेप**

अपेडा पंजीकृत निर्यातक, मैसर्स कीगा एक्जिम, असम ने मैसर्स अग्निगढ़ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी, सोनितपुर से लीची की खेप यूके को निर्यात की है। असम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्वा सरमा ने इस खेप को झंडी दिखाकर रवाना किया है। इस संबंध में, अपेडा ने निर्यात के लिए लीची की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए क्रेता-विक्रेता बैठक का सह-आयोजन किया और उसके बाद क्षेत्र का दौरा किया।

vi. **बक्शा जिले, असम से यूके के लिए असम नींबू (जीआई) की पहली खेप**

अपेडा की दृढ़ता और प्रयास के कारण, अपेडा ने एफपीसी, मैसर्स नीलाचल एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, बक्शा से मैसर्स कीगा एक्जिम, गुवाहाटी के माध्यम से बक्शा जिले से असम नींबू की पहली खेप के लिए निर्यातकों और किसानों के साथ क्षेत्र दौरे के बाद कई बैठकें आयोजित की हैं।

vii. **असम के लौह समृद्ध लाल चावल का संयुक्त राज्य अमेरिका को निर्यात**

अपेडा ने असम की ब्रह्मपुत्र घाटी में उगाए जाने वाले आयरन से भरपूर 'लाल चावल' की खेप को यूएसए तक पहुँचाया है। चावल की किस्म को 'बाओ-धान' भी कहा जाता है, जो असमिया भोजन का एक अभिन्न अंग है। लाल चावल हरियाणा से मैसर्स एल.टी फूड्स द्वारा प्राप्त और निर्यात किया गया था।

viii. **वियतनाम के लिए जीआई उत्पादों की पहली खेप**

मैसर्स नॉर्थ ईस्ट फार्म सेल्स प्रमोशन, असम से एक स्टार्टअप ने असम की पारंपरिक चाय, सिक्किम की बड़ी इलायची, नागालैंड की निर्जलित किंग मिर्च और मणिपुर के काले चावल को गुवाहाटी से वियतनाम भेजा, जिसमें अपेडा ने निर्यात शिपमेंट की सुविधा प्रदान की है।

ix. **नागालैंड से लंदन के लिए जीआई फसल किंग चिली (राजा मिर्च) की पहली निर्यात खेप**

जुलाई, 2021 में अपेडा के प्रयास के माध्यम से ताजा 'राजा मिर्च' की पहली खेप जिसे किंग चिली भी कहा जाता है, गुवाहाटी हवाई अड्डे से नागालैंड से लंदन के लिए निर्यात किया गया था। अपेडा ने कीटनाशकों के लिए नमूनों की जांच के लिए राज्य विपणन बोर्ड के साथ समन्वय किया और जैविक रूप से उगाए जाने के बाद से परिणाम उत्साहजनक थे। यह खेप पेरेन जिले, नागालैंड से मंगवाई गई थी और निर्यात के लिए गुवाहाटी में अपेडा से सहायता प्राप्त पैकहाउस में पैक की गई थी।

x. **यूके और यूएई को भौगोलिक संकेतक टैग वाले असम लेमन (काजीनेमू) का निर्यात**

अपेडा के समर्थन के माध्यम से, मैसर्स कीगा एक्ज़िम, असम ने तिनसुकिया जिले में किसानों की पहचान की और मैसर्स सेउजीपाम के साथ अनुबंध पर खेती शुरू की, एक एफपीसी बाय बैक गारंटी के साथ और सीधे यूके को नींबू निर्यात किया है। वर्षों से, निर्यातक ने निर्यात के लिए असम लेमन के कई एफपीसी और किसानों को जोड़ा है

xi. **यूके और यूएई को फ्लैट बीन्स (लैब-लैब बीन्स) का निर्यात**

मैसर्स कीगा एक्जिम, असम ने फ्लैट बीन्स की सोर्सिंग के लिए डारंग जिले की एक एफपीसी सेजमुखी एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के साथ समझौता किया है।

xii. **असम से यूएसए को प्राकृतिक शहद का निर्यात**

अपेडा ने आयात करने वाले देशों की खाद्य गुणवत्ता और निर्यात के लिए सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मैसर्स साल्ट रेंज फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, असम की इन-हाउस प्रयोगशाला को मजबूत करने में सहायता की। यह यूएसए को निर्यात के लिए असम में स्थित पहली अनुमोदित शहद प्रसंस्करण इकाई भी है। अपेडा ने क्षेत्र से गुणवत्तापूर्ण शहद प्राप्त करने और खरीद और रसद बाधाओं पर काबू पाने के लिए एफपीसी की पहचान करने में सहायता प्रदान की है।

xiii. **मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक्स के माध्यम से ट्रायल शिपमेंट को बढ़ावा देना**

अपेडा ने नए बाजारों का पता लगाने और नए उत्पादों के विपणन का परीक्षण करने के लिए बहु-मॉडल परिवहन मोड, सड़क और समुद्री मार्ग को कवर करते हुए मणिपुर से दुबई तक ताजे जैविक अनानास के पहले परीक्षण शिपमेंट की सुविधा और सहायता की है। 25 जुलाई, 2022 को एफपीसी से निर्यातक बने मैसर्स थायोंग ऑर्गेनिक प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, मणिपुर द्वारा लगभग 20 मीट्रिक टन ताजा जैविक अनानास का निर्यात किया गया है।

xiv. **असम से यूके को असम लेमन का निर्यात**

अपेडा ने बक्सा, असम से यूनाइटेड किंगडम के लिए असम लेमन (जीआई) की पहली वाणिज्यिक खेप की सुविधा और सहायता की है।

xv. **असम से दुबई को जोहा चावल और ऐजुंग स्थानीय चावल का निर्यात।**
अपेडा ने असम से दुबई के लिए 5 एमटी जोहा चावल (जीआई) 5 एमटी ऐजुंग स्थानीय चावल की वाणिज्यिक सुविधा प्रदान की है और सहायता की है।

xvi. **मेघालय से अबू धाबी के लिए खासी मंदारिन (जीआई) की पहली फ़्लैगशिपमेंट**
एपीईडीए ने दिसंबर, 2022 में मेघालय से अबू धाबी तक खासी मंदारिन (जीआई) के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए खासी मंदारिन-द जीआई ऑफ मेघालय के लिए फ्लैग-ऑफ और ट्रायल एक्सपोर्ट फ्लैग शिपमेंट की सुविधा और सहायता की है।

xvii. **मेघालय से दुबई के लिए खासी मंदारिन (जीआई) का पहला फ्लैगशिपमेंट**

अपेडा ने दिसंबर, 2022 में मेघालय से दुबई के लिए खासी मंदारिन (जीआई) के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए खासी मंदारिन-द जीआई ऑफ मेघालय के लिए फ्लैग-ऑफ और ट्रायल एक्सपोर्ट फ्लैग शिपमेंट की सुविधा है और सहायता की है।

xviii. 2 एमटी खासी मंदारिन (जीआई नंबर 465) को हरी झंडी समारोह और निर्यात शिपमेंट

अपेडा ने बागवानी निदेशालय, मेघालय सरकार के सहयोग से खासी मंदारिन (जीआई **465**) की पहली खेप दोहा और बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात को दिसंबर, 2022 में सफलतापूर्वक रवाना की है।

2. पूर्वोत्तर क्षेत्र आयोजित क्रेता-विक्रेता बैठक/बाजार संवर्धन कार्यक्रम

अपेडा ने गुवाहाटी, असम में वर्ष 2019 में क्षेत्र में पहला सम्मेलन सह अंतर्राष्ट्रीय क्रेता विक्रेता बैठक (आईबीएसएम) आयोजित करके एनईआर उत्पादों के लिए निर्यात विंडो खोलने के प्रयास शुरू किए हैं। तदुपरांत अपेडा पूर्वोत्तर क्षेत्र की क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए इस तरह के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है, ताकि पूर्वोत्तर क्षेत्र से कृषि-निर्यात के अवसरों और संभावनाओं का पता लगाने के लिए प्रगतिशील निर्यातकों के साथ किसानों/उत्पादकों और निर्यातकों के साथ अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की बी2बी और बी2जी बैठकों के लिए एक प्लेटफार्म प्रदान किया जा सके। अपेडा ने क्रेता-विक्रेता बैठक के भाग के रूप में किसानों द्वारा पालन की जा रही गुणात्मक खेती पद्धतियों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए आयातकों के क्षेत्र दौरे भी आयोजित किए हैं।

i. **गुवाहाटी, असम में अंतर्राष्ट्रीय क्रेता विक्रेता बैठक (बीएसएम)।**
अपेडा ने 10 मार्च, 2022 को गुवाहाटी में आईबीएसएम का आयोजन किया, जिसमें राज्य भर के प्रदर्शकों ने जीआई उत्पादों जैसे ताजे फल, सब्जियां, प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद, काले चावल, लाल चावल, जोहा चावल, मसाले, चाय, कॉफी, शहद, प्रसंस्कृत मांस, मसाले और जैविक उत्पाद सहित कृषि-बागवानी उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की है। पूर्वोत्तर क्षेत्र और अन्य राज्यों के निर्यातकों के साथ श्रीलंका, दुबई, बांग्लादेश, ओमान, नीदरलैंड, सिंगापुर और ग्रीस के आयातकों ने भाग लिया है।

ii. **डिब्रूगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय क्रेता विक्रेता बैठक (बीएसएम)**

दिनांक 24-25 मार्च, 2022 तक उद्योग और वाणिज्य विभाग, असम सरकार सहयोग से डिब्रूगढ़, असम के साथ सम्मेलन सह अंतर्राष्ट्रीय क्रेता विक्रेता बैठक आयोजित की गई। असम के बांग्लादेश, नेपाल के खरीदारों, देश भर के निर्यातकों ने बैठक में भाग लिया है।

iii. **शिलांग, मेघालय में अंतर्राष्ट्रीय क्रेता विक्रेता बैठक (बीएसएम)।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' के दृष्टिकोण को साकार करने के उद्देश्य से 'आत्मनिर्भर भारत' पर जोर देते हुए, अपेडा ने 29 मार्च, 2022 को मेघालय के शिलांग में अंतर्राष्ट्रीय क्रेता विक्रेता बैठक (बीएसएम) का आयोजन किया। श्रीलंका, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, सिंगापुर, मलेशिया, ग्रीस, संयुक्त अरब अमीरात, मस्कट और यूरोपीय देशों के खरीदारों ने मेघालय में कोविड-19 के बाद की अपनी तरह की पहली क्रेता-विक्रेता बैठक में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

iv. **ईटानगर, अरुणाचल में अंतर्राष्ट्रीय क्रेता विक्रेता बैठक (आईबीएसएम)।**

अपेडा ने 24 मई, 2022 को ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता बैठक (आईबीएसएम) का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन अरुणाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू के साथ श्री तगेतकी, माननीय कृषि, बागवानी, पशुपालन और पशु चिकित्सा मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ किया गया है। बीएसएम में भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, घाना, इंडोनेशिया, भूटान, म्यांमार और नेपाल के 20 से अधिक खरीदारों ने भाग लिया है।

v. **जिला कृषि कार्यालय के साथ तेजपुर लीची (जीआई) के लिए अपेडा सह-आयोजित क्रेता विक्रेता सम्मेलन** -दिनांक 19 मई, 2022, सोनितपुर, असम ।

vi. **गंगटोक, सिक्किम में अंतर्राष्ट्रीय क्रेता विक्रेता सम्मेलन (आईबीएसएम)।**

सिक्किम सरकार के सहयोग से अपेडा ने सिक्किम के जैविक कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए दिनांक 18 अक्तूबर, 2022 को गंगटोक, सिक्किम में एक अंतर्राष्ट्रीय

क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन किया गया। इस आयोजन में ओमान, बांग्लादेश, कुवैत, इंडोनेशिया, सिंगापुर और जापान के 10 आयातकों और भारत के 15 निर्यातकों ने भाग लिया। स्टालों में सिक्किम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के जैविक कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई।

vii. **अपेडा ने, मिजोरम से संभावित कृषि उत्पादों के निर्यात के लिए कार्यशाला सह क्रेता विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया-** दिनांक 24 नवंबर, 2022, मिजोरम-आइजोल।

viii. **अपेडा ने श्रीअन्न निर्यात सह क्रेता विक्रेता सम्मेलन के संबंध में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया- गुवाहाटी**

अपेडा ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के उद्योग और वाणिज्य संघ (एफआईपूर्वोत्तर क्षेत्र) के सहयोग से श्रीअन्न निर्यात सह क्रेता विक्रेता सम्मेलन के संबंध में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया - दिनांक 9 नवंबर, 2022, गुवाहाटी, असम।

ix. **दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में असम से ताजे जैविक अन्ननास का इन-स्टोर निर्यात संवर्धन कार्यक्रम**

अपेडा ने खाड़ी देशों में व्यापक स्वीकृति के लिए असम के अन्ननास के संवर्धन के लिए दिनांक 23 जुलाई, 2022 को दुबई, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में एक इन-स्टोर निर्यात प्रोत्साहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अपेडा की कार्यनीति के एक भाग के रूप में असम के अन्ननास का 'इन-स्टोर संवर्धन शो' दुबई के सबसे बड़े सुपरमार्केट समूह लुलु ग्रुप के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय मंडियों में स्थानीय रूप से उत्पादित कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया था। प्रदर्शित किए गए अन्ननास को असम के कछार जिले में लखीपुर उप-मंडल के अंतर्गत हमरखावलीन गांव से खरीदा गया था।

x. **खानापुरा, गुवाहाटी में क्रेता विक्रेता सम्मेलन (बीएसएम)**

असम सरकार के सहयोग से अपेडा ने पूर्वोत्तर क्षेत्रों के जैविक कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक्सपो वन - जैविक प्रदर्शनी के दौरान दिनांक 4 फरवरी, 2023 को खानापुरा, असम में क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया। क्रेता-विक्रेता सम्मेलन में देशभर के लगभग 40 निर्यातकों और 200 एफपीओ समूहों ने भाग लिया।

3. निर्यात, खाद्य प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और पैकेजिंग के संबंध में पूर्वोत्तर क्षेत्र में क्षमता निर्माण कार्यक्रम

इस क्षेत्र से उद्यमियों और स्टार्टअप्स की संख्या बढ़ रही है जिसके लिए अपेडा असम कृषि विश्वविद्यालय (एएयू), केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई), भारतीय खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएफपीटी), भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आईआईपी) आदि जैसे संस्थानों के सहयोग से निर्यात प्रक्रियाओं, खाद्य प्रसंस्करण, खाद्य पैकेजिंग के संबंध में कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। अपेडा ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में निर्यात जागरूकता पर 136 क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए। क्षमता निर्माण पहल के अलावा, अपेडा ने पिछले तीन वर्षों में पूर्वोत्तर क्षेत्र में 22 क्रेता-विक्रेता सम्मेलन और साथ ही व्यापार मेले आयोजित किए।

4. एफपीओ/किसान समूहों/राज्य सरकार के अधिकारियों के लिए एक्सपोजर दौरों का आयोजन

अपेडा ने निर्यात संबंधी आवश्यकताओं, निर्यात उन्मुखी खेती, पैक हाउस, विकिरण इकाई, वाष्प ताप उपचार संयंत्र, पैकहाउस, शीघ्र खराब होने वाले उत्पादों के कार्गो के लिए केंद्र (सीपीसी) आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों आदि के संबंध में पूर्वोत्तर क्षेत्र के निर्यातकों और राज्य के अधिकारियों को परिचित कराने के लिए महाराष्ट्र में ऑनसाईट दौरा करने की सुविधा प्रदान की है ताकि निर्यात संबंधी आवश्यक प्रक्रियाओं के लिए तकनीकी कौशल को बढ़ाया जा सके। असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड और त्रिपुरा के राज्य अधिकारियों और निर्यातकों ने ऑनसाईट एक्सपोजर दौरा किया।

5. पूर्वोत्तर क्षेत्र से जैविक उत्पादों का संवर्धन

जैविक उत्पादों के लिए राज्य के स्वामित्व वाली प्रमाणन संस्था की स्थापना

अपेडा पूर्वोत्तर राज्यों में जैविक प्रमाणन गतिविधियों का विस्तार करने के लिए राज्यों को एनपीओपी के तहत मान्यता प्राप्त करने हेतु राज्य के स्वामित्व वाले प्रमाणन निकायों की स्थापना के लिए प्रोत्साहित कर रहा है और इसने जैविक मिशन में शामिल राज्य अधिकारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किया है।

6. पूर्वोत्तर क्षेत्र से अद्वितीय (यूनिक) भौगोलिक संकेतक (जीआई) का संवर्धन

अपेडा द्वारा इस क्षेत्र के यूनिक जीआई उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की गई हैं जैसे क्रेता-विक्रेता सम्मेलन, जागरूकता कार्यशाला का आयोजन करना। भौगोलिक संकेतक एक शक्तिशाली उपकरण बन जाता है जो किसी उत्पाद की विशिष्टता और विशेषताओं को दर्शाता है।

i. जीआई उत्पादों के महत्व, पंजीकरण प्रक्रिया और जीआई के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं और गुणवत्ता उत्पादन के बारे में किसानों, निर्यातकों और अन्य हितधारकों के लिए दिनांक 31 मई, 2022 को गुवाहाटी में प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

ii. अपेडा ने दिनांक 24 जून, 2022 को गुवाहाटी में प्राकृतिक, जैविक और भौगोलिक संकेतक (जीआई) कृषि उत्पादों की निर्यात क्षमता से संबंधित सम्मेलन का आयोजन किया था, ताकि असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के पड़ोसी राज्यों से प्राकृतिक, जैविक और जीआई कृषि उत्पादों की प्रचुर निर्यात क्षमता का दोहन किया जा सके। इस समारोह के दूसरे दिन, बागवानी एवं खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय, असम सरकार के सहयोग से प्राकृतिक खेती से संबंधित तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।

iii. अपेडा ने "नॉलेज पार्टनर" के रूप में फाउंडेशन फॉर इनोवेटिव पैकेजिंग एंड सस्टेनेबिलिटी (एफआईपीएस) के सहयोग से असम प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज, गुवाहाटी में दिनांक 30 जून, 2022 को राष्ट्रीय प्राकृतिक, जैविक और भौगोलिक (जीआई) कृषि-उत्पादों के निर्यात योग्य प्राकृतिक पैकेजिंग सम्मेलन का आयोजन किया।

iv. असम के जोहा चावल, मणिपुर के चक-हाओ (ब्लैक राइस), असम की तेजपुर लीची, असम के काजीनेमु, असम के कार्बी एंग्लोंग अदरक जैसे जीआई उत्पादों के लिए निर्यातकों और आयातकों के साथ विशेष क्रेता-विक्रेता सम्मेलन आयोजित किया गया।

7. निर्यात के लिए प्राकृतिक पैकेजिंग का संवर्धन

अपेडा ने प्राकृतिक कृषि फसलों की उपलब्धता और उपभोक्ताओं के बीच पैकेजिंग सामग्री के रूप में उनके उपयोग के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए दिनांक 30 जून, 2022 को गुवाहाटी में प्राकृतिक पैकेजिंग कार्यशाला का आयोजन किया, क्योंकि पूर्वोत्तर क्षेत्र समृद्ध जैव विविधता, प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है।

8. पोर्क और पोर्क उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना

अपेडा ने राष्ट्रीय सुअर अनुसंधान केंद्र की मदद से ताजा और प्रसंस्कृत सुअर के मांस (पोर्क) के निर्यात के लिए दिशानिर्देश तैयार किए हैं।

अपेडा ने असम पशुधन एवं कुक्कुट निगम (एएलपीसीओ), असम सरकार के सहयोग से असम में ब्लॉक स्तर पर निर्यात हेतु प्रसंस्करण के लिए सुअर के वैज्ञानिक रूप से पालन के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया ताकि स्थानीय किसान निर्यात के लिए गुणवत्तापूर्ण सामग्री की आपूर्ति कर सकें।

9. असम में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के लिए अपेडा और असम कृषि विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन

अपेडा ने राज्य से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए मार्च, 2022 में असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और इस संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रक्रियाधीन हैं।

10. दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में मणिपुर से ताजा जैविक अनानास का इन-स्टोर निर्यात संवर्धन कार्यक्रम

अपेडा ने दिनांक 3 सितंबर, 2022 को मणिपुर जैविक मिशन एजेंसी (एमओएमए), मणिपुर सरकार के सहयोग से दुबई के सबसे बड़े सुपरमार्केट लुलु ग्रुप के साथ मणिपुर के अनानास के लिए इन-स्टोर निर्यात संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया। जैविक प्रमाणित अनानास थायोंग ऑर्गेनिक प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, इंफाल ईस्ट (एफपीसी), मणिपुर से प्राप्त किया गया था।

11. अपेडा द्वारा समर्थित अवसंरचना

i. यूरोप के मानकों के अनुसार प्रथम एकीकृत पैक हाउस की स्थापना

अपेडा ने अपनी वित्तीय सहायता योजना के तहत असम में प्रथम पैक हाउस स्थापित करने में एक निजी निर्यातक की सहायता की। यूरोपीय मानकों के अनुसार अनुमोदित पूर्वोत्तर क्षेत्र में यह एकमात्र पैक हाउस है।

ii. अपेडा ने अमीनगाँव, गुवाहाटी और करीमकंज, असम में पैकहाउस की सहायता की

अमीनगाँव, असम में पैकहाउस असम औद्योगिक विकास निगम (एआईडीसी) के तहत चल रहा है और एक निजी निर्यातक को पट्टे पर दिया गया है। इस यूनिट को अपेडा द्वारा उसकी सामान्य अवसंरचना योजना के तहत वित्तपोषित किया जाता है।

iii. करीमगंज, असम में फलों और सब्जियों के लिए पैक हाउस असम राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एएसएएमबी), असम के अधीन है, जो अपेडा द्वारा उसकी सामान्य अवसंरचना योजना के तहत वित्तपोषित है।

iv. नाज़िरा, असम में निर्यातोन्मुखी सूअर के मांस के प्रसंस्करण यूनिट को अपेडा ने भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की टीआईईएस योजना के तहत नज़ीरा, असम में असम राज्य पशुधन विकास निगम (एएलपीसीओ) की मांस प्रसंस्करण यूनिट की स्थापना को सुविधा प्रदान की थी।

v. बागवानी विभाग के तहत **चम्फाई, मिजोरम में बहुउद्देशीय शीतागार संयंत्र** को अपेडा द्वारा इसकी सामान्य अवसंरचना योजना के तहत वित्तपोषित किया जाता है।

vi. मिजोरम लघु किसान कृषि व्यवसाय परिसंघ (एमएसएफएसी) के तहत **लेंगपुई हवाई अड्डे, आइज़वाल में वॉक-इन-टाइप-कोल्ड रूम** को अपेडा द्वारा उसकी सामान्य अवसंरचना योजना के तहत वित्तपोषित किया जाता है।

vii. नई भूमि उपयोग नीति कार्यान्वयन बोर्ड (एनआईबी) के तहत **आइज़वाल में पैक हाउस**, जो अब कृषि विभाग के अधीन है, का वित्तपोषण अपेडा द्वारा उसकी सामान्य अवसंरचना योजना के तहत किया जाता है।

लो.स.अता.प्र.सं. 3271
अनुबंध-II

हिमालय क्षेत्र सहित फलों, सब्जियों और प्रसंस्कृत उत्पादों के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच बनाने के लिए अपेडा द्वारा शुरू की गई पहल/कार्यनीति

1. अपेडा की कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात प्रोत्साहन योजना के तहत **15**वें वित्त आयोग चक्र (2021-22 से 2025-26) के लिए तीन व्यापक क्षेत्रों में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, अर्थात:

- अवसंरचना विकास योजना
- गुणवत्ता विकास योजना
- मंडी प्रोत्साहन योजना

2. कृषि निर्यात के लिए सामान्य अवसंरचना का विकास: अपेडा ने देशभर के विभिन्न राज्यों में सामान्य अवसंरचना सुविधाओं जैसे पैक-हाउस, प्रसंस्करण इकाइयों, रीफर वैन आदि की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की।

3. अपेडा हिमालयी क्षेत्र के अद्वितीय जीआई/जैविक उत्पादों को बढ़ावा देता है जिसमें जम्मू और कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश के सेव शामिल हैं।

4. मिशनों/दूतावासों के साथ सहयोग: अपेडा विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों के साथ नियमित रूप से बातचीत कर रहा है, जिससे कोविड महामारी के कारण आयात करने वाले देश की जरूरतों के संबंध में अवसरों का दोहन करने में मदद मिली है।

क) वर्चुअल ट्रेड फेयर (वीटीएफ) - कोविड-19 के प्रतिकूल प्रभाव को दूर करने और मौजूदा बाजारों को सततता के लिए अपेडा ने अग्रणी कदम उठाया और वर्चुअल ट्रेड फेयर के आयोजन के लिए इन-हाउस टीम के माध्यम से अपना खुद का प्लेटफॉर्म प्रस्तुत किया है ताकि भारतीय निर्यातकों और आयातकों के बीच संपर्क स्थापित किया जा सके।

ख) वर्चुअल क्रेता-विक्रेता सम्मेलन - कोविड-19 की स्थिति के कारण अवसर का लाभ उठाने के लिए अपेडा ने विदेशों में भारतीय मिशनों के साथ मिलकर अनिवार्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए वर्चुअल क्रेता-विक्रेता सम्मेलन आयोजित किए।

ग) जीआई उत्पादों का निर्यात संवर्धन- अपेडा ने भारत मूल के कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के अपने प्रयास के क्रम में कृषि और खाद्य उत्पादों जीआई के संबंध में वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठकें आयोजित करके भारत में पंजीकृत भौगोलिक संकेतक (जीआई) वाले आमों के संवर्धन की पहल शुरू की है।

4. अपेडा की ई-गवर्नेंस प्रणाली: निर्यात को सहज बनाने और बैकवर्ड लिंकेज के सुदृढ़ीकरण के लिए अपेडा ने किसान पंजीकरण और खेत से निर्यात तक ट्रेसबिलिटी शुरू की है, इसके लिए मुख्य रूप से यूरोपीय संघ के देशों को निर्यात के लिए संभावना वाले फलों और सब्जियों और आमों के लिए हॉर्टनिट जैसी ट्रेसेबिलिटी प्रणाली कार्यान्वित की गई है।

5. पैकेजिंग विकास: पैकेजिंग के अंतरराष्ट्रीय मानकों का उपयोग करने के लिए अपने मंडी विकास योजना के तहत अपने सदस्य निर्यातकों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के अलावा अपेडा ने भारतीय पैकेजिंग संस्थान के साथ मिलकर संभावना वाले फलों और सब्जियों के लिए पैकेजिंग मानकों और विशिष्टताओं को विकसित किया है।

6. बागवानी पैक हाउस मान्यता योजना: अपेडा ने उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से फलों और सब्जियों के निर्यात के लिए एक व्यापक पैक हाउस मान्यता योजना शुरू की है। अपेडा ने चिन्हित बाजारों में निर्यात के लिए ताजे फलों और सब्जियों के प्रसंस्करण के लिए 171 पैक हाउस पंजीकृत किए हैं।

7. गुणवत्ता विकास कार्यक्रम: निर्यात किए जाने वाले उत्पाद की गुणवत्ता प्राप्त करने के उद्देश्य से अपेडा ने उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला के परीक्षण की सेवाएं प्रदान करने के लिए पूरे भारत में 213 प्रयोगशालाओं को मान्यता दी है।

8. फलों के निर्यात के लिए फसल कटाई पूर्व एवं फसलोपरांत मैनुअल: आम के उत्पादन के लिए फसल कटाई पूर्व मैनुअल और निर्यात क्षमता वाले आमों के प्रबंधन के लिए फसलोपरांत मैनुअल आईसीएआर संस्थानों और फलों एवं सब्जियों के निर्यातक संघ के सहयोग से विकसित किए गए थे। ये मैनुअल निर्यात के लिए फलों और सब्जियों की बुनियादी गुणवत्ता तथा सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं के अनुरक्षण में उत्पादकों, निर्यातकों और व्यापारियों को सुविधा प्रदान कर रहे हैं।

9. जीआई टैग वाले, स्वदेशी, संजातीय कृषि उत्पादों का संवर्धन- माननीय प्रधानमंत्री जी के 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' के आह्वान को ध्यान में रखते हुए अपेडा स्थानीय रूप से जीआई टैग के साथ-साथ स्वदेशी, संजातीय कृषि उत्पादों के निर्यात के संवर्धन पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

10. बाजार पहुंच की शुरुआत और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में निर्यात का संवर्धन: अपेडा ने हाल ही के दिनों में कृषि उत्पादों के लिए नई मंडी खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

11. सुग्राहीकरण/क्षमता निर्माण/प्रशिक्षण कार्यक्रम - एफपीओ/एफपीसी/एसएचजी/निर्यातकों के लिए राज्य विभागों, एसएयू, केवीके के सहयोग से कृषि समूहों एवं राज्यों में क्षमता निर्माण/प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई है ताकि निर्यात के लिए किसान समूहों को संपर्क प्रदान किया जा सके और संभावित निर्यातक बनने के लिए उद्यमियों को बढ़ावा दिया जा सके।

12. क्लस्टर विकास के लिए संबद्ध मंत्रालयों के साथ तालमेल - कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय तथा डीजीएफटी के चिन्हित क्लस्टर के साथ तालमेल बनाने के प्रयास किए गए हैं। क्लस्टर विकास गतिविधियों को बागवानी क्लस्टर विकास कार्यक्रम और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की ओडीओपी (पीएमएफएमई) योजना के तहत पहचान किए गए एमआईडीएच (एनएचबी) के क्लस्टर के साथ उनकी वित्तीय सहायता योजनाओं के साथ अभिसरण की मांग के लिए श्रेणीबद्ध किया जा रहा है।

13. प्रोत्साहन कार्यक्रम का आयोजनः भारतीय फलों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बढ़ावा देने के लिए संबंधित दूतावासों के सहयोग से संभावना वाले देशों में प्रचार कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

14. निर्यात संवर्धन मंचों का गठन: और अधिक सकेंद्रित दृष्टिकोण के लिए तथा निर्यात संवर्धन में निर्यातकों की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी और भूमिका सुनिश्चित करने और उत्पादन एवं निर्यात में आने वाली समस्याओं/चुनौतियों/बाधाओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए निर्यात के संवर्धन के लिए कार्यनीति बनाने हेतु कुछ फलों के लिए निर्यात प्रोत्साहन मंचों का गठन किया गया है।

15. उच्च गुणवत्ता वाली इनपुट सामग्री की आपूर्ति-कृषि निर्यात नीति के तहत, बागवानी उत्पादों के लिए समर्पित 6 राज्यों में फैले 14 उत्पाद समूहों की पहचान की गई है और इन समूहों की सफलता को देखते हुए राज्य सरकारें अधिक से अधिक उत्पाद आधारित क्लस्टरों के अनुमोदन के लिए अपेडा एवं वाणिज्य मंत्रालय के साथ संपर्क कर रही हैं। अपेडा को निर्यात के लिए सीधे एफपीसी द्वारा गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की खरीद करने के लिए निर्यातकों के साथ एफपीओ/एफपीसी के बीच समझौता ज्ञापन की व्यवस्था करने में सक्षम बनाया गया है।

16. कीट एवं रोगों की रोकथाम और कीटनाशक अवशेष पर नियंत्रण- भारत सरकार और राज्य सरकार ने कीट एवं रोगों के प्रबंधन की चुनौती को दूर करने के लिए अपने क्षेत्र में कीट मुक्त बागवानी उपज के उत्पादन के लिए एसओपी तैयार की है। इस संबंध में, सभी संगठनों ने किसानों और निर्यातकों की चिंताओं को दूर करने के लिए अपेडा से जुड़ने का निश्चय किया है।

17. बाजार पहुंच और फॉरवर्ड लिंकेज- भारत में बागवानी उत्पाद एशियाई देशों जैसे चीन, जापान, थाईलैंड, फिलीपींस आदि से अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा के अध्यधीन है। प्रमुख आयातकों और भारत के बीच द्विपक्षीय समझौतों की अनुपस्थिति भी नुकसानदेह साबित हुई है। अपेडा ने भारत के पक्ष में स्थिति को बदलने के लिए द्विपक्षीय समझौते हेतु युक्तिसंगत बातचीत का प्रस्ताव रखा है।

लो.स.अता.प्र.सं. 3271

अनुबंध-III

क्लस्टर विकास कार्यक्रम के तहत चिन्हित 12 क्लस्टरों का विवरण

क्र.सं.	फसल	पहचाने गए क्लस्टर	राज्य
1.	सेब	1. शोपियां 2. किन्नौर	जम्मू और कश्मीर हिमाचल प्रदेश
2.	आम	1. लखनऊ 2. कच्छ 3. महबूबनगर	उत्तर प्रदेश गुजरात तेलंगाना

3.	केला	1. अनंतपुर 2. थेनी	आंध्र प्रदेश तमिलनाडु
4.	अंगूर	1. नासिक	महाराष्ट्र
5.	अनन्नास	1. सिपहिजाला	त्रिपुरा
6.	अनार	1. सोलापुर 2. चित्रदुर्ग	महाराष्ट्र कर्नाटक
7.	हल्दी	1. वेस्ट जयंतिया हिल्स	मेघालय

****